www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 81 | जौनपुर मंगलवार, 04 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भीड़ हिंसा के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने की मांग खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) का शिकार हुए लोगों के परिजनों को मुआवजा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में याचिकाकर्ता को उत्तर प्रदेश सरकार से बात करने को कहा था। जमीयत उलेमा ए हिंद ने याचिका दायर कर तहसीन पूनावाला मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी करने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद राज्य सरकार उन्हें लागू करने में विफल रही। इसे लेकर इस मामले में 15 जुलाई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि भीड़ हिंसा का हर मामला अलग होता है और उनकी जनहित मुकदमेबाजी के तहत निगरानी नहीं की जा सकती। हालांकि उच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रभावित पक्ष संबंधित सरकारी प्राधिकरण के पास जाकर सुप्रीम कोर्ट के दिशा–निर्देशों का लागू करने की मांग कर सकता है। तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भीड़ हिंसा को रोकने के लिए कुछ दिशा–निर्देश जारी किए थे।

मरीजों को राज्य से बाहर रेफर करने से बचें चिकित्सक – त्रिपुरा मुख्यमंत्री

त्रिपुरा , (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को सरकारी चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे जहां तक घ्संभव हो, मरीजों को राज्य से बाहर रेफर करने से बचें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। यहां एक कार्यक्रम में साहा ने कहा कि मुख्यमंत्री समीपेशु कार्यक्रम के दौरान उनसे मिलने वाले अधिकतर लोग स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे उठाते हैं और बेहतर इलाज के लिए त्रिपुरा से बाहर रेफर किए जाने की इच्छा व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम एक साप्ताहिक पहल है, जिसके तहत वे जनता की शिकायतें सुनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने जीबीपी अस्पताल में पहले ही नौ सुपर स्पेशियलिटी विभाग खोल दिए हैं तथा चार और खोलने की योजना है। अगर मरीज इलाज के लिए राज्य से बाहर जाते रहेंगे, तो सरकार ने सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाएं क्यों खोली हैं? यह चिकित्सकों और मरीजों के बीच विश्वास की कमी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने दो मेडिकल कॉलेजों – शांतिनिकेतन मेडिकल कॉलेज, जो एक निजी संस्थान है और सोसायटी द्वारा संचालित त्रिपुरा मेडिकल कॉलेज (टीएमसी) को हाल ही में घोषित एमबीबीएस परीक्षा परिणामों में उनके खराब प्रदर्शन को लेकर चेतावनी भी दी।

प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संकल्पित है सरकार : आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और कहा कि सरकार सभी प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान को बरकरार रखने के लिए संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये फरियादियों के पास खुद पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं और पीड़ितों से प्रतिक्रिया लें। बयान के अनुसार, जनता दर्शन कार्यक्रम में 60 से अधिक पीड़ितों ने एक–एक कर अपनी समस्या से

मुख्यमंत्री को अवगत कराया। फरियादियों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन के दौरान कई पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताया। पीड़ितों ने चोरी की घटना के खुलासे के बाद भी लूटा गया सामान वापस नहीं दिए जाने पर असन्तुष्टि जताई। साथ ही जमीन कब्जे की भी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। मुख्यमंत्री ने जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिये। बयान के मुताबिक, एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सिर्फ अस्पताल से इलाज में होने वाले खर्च का आकलन पत्र (एस्टीमेट) बनवाकर भेजें। धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज नहीं रुकेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज के लिए पहले दिन से ही खड़ी है।एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सिर्फ अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाइये और अपने मरीज का ध्यान रखिये। बाकी हम पर छोड़ दीजिए। धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज नहीं रुकेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज के लिए पहले दिन से ही खड़ी है।

बिहार में एनडीए को जिताने के लिए मोदी–योगी–शाह ने संभाली कमान

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार अभियान ने सोमवार को चरम पकड़ लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महागठबंधन पर तीखे हमले बोले, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी दोनों को कटघरे में खड़ा किया। सहरसा की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने राजद–कांग्रेस पर 'विनाश की पहचान' का ठप्पा लगाते हुए कहा कि "राजग विकास की प्रतीक है, जबकि राजद और कांग्रेस जंगलराज के पर्याय हैं।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि "पहली

बार वोट देने वाले बिहार के उज्ज्वल भविष्य के लिए मतदान करें।" मोदी ने महिला सशक्तिकरण, रोजगार और बाढ़ समाधान की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि "यह रफ्तार रुकनी नहीं चाहिए।" वहीं दरभंगा में योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को "इंडी गठबंधन के तीन बंदर" बताते हुए कहा कि "ये लोग राजग के कामों को न देख सकते हैं, न सुन सकते हैं, न बोल सकते हैं।" योगी ने वादा किया कि राजग सरकार बनने पर "घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा जाएगा।

जीत हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण देश भर से लगा बधाइयों का तांता : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की बेटियों ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया है। पहली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्न कप का खिताब अपने नाम किया है। फाइनल मुकाबले में हरमन ब्रिगेड ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर आईसीसी वनडे विश्न कप पर कब्जा जमाया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 298 रन बनाए और जवाब में दक्षिण अफ्रीका को 246 रन पर समेट दिया।

देश की बेटियों की इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर मेरी हार्दिक बधाई! उन्होंने पहली बार जीत हासिल करके इतिहास रच दिया है। वे अच्छा खेल रही हैं और आज उन्हें अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के अनुरूप परिणाम मिला है। यह निर्णायक क्षण महिला क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगा। जिस तरह से लड़कियों ने भारत को गौरवान्वित किया है, मैं उनकी प्रशंसा करती हूं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य के चौंपियन खिलाड़ियों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।

बिहार में जंगल राज नहीं लौटने देंगे, एनडीए पांडवों की तरह लड़ेगा : अमित शाह

बिहार, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार के हाजीपुर में आगामी चुनावों के लिए एनडीए के अभियान के तहत एक रैली को संबोधित किया। शाह ने एनडीए गठबंधन की ताकत पर जोर दिया और इसकी तुलना पाँच पांडवों से की और कहा कि यह गठबंधन राज्य में जंगल राज की वापसी को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। शाह ने एनडीए गठबंधन की एकता और मजबूती पर प्रकाश डाला, जिसमें भाजपा, जद(यू), चिराग पासवान की पार्टी और अन्य शामिल हैं। शाह ने कहा कि बिहार के चुनावों में, एनडीए का गठबंधन, पाँच पांडवों की तरह, पूरी ताकत के साथ चुनावी समर में उतरा है। भारतीय जनता पार्टी,

जद(यू), चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) पार्टी, जीतन राम मांझी की हम पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) पार्टी एकजुट हैं और जंगल राज को रोकने के लिए दृढ़ हैं। हमारे सामने जितनी भी पार्टियाँ हैं, सभी के बीच लड़ाई चल रही है। उन्होंने विपक्ष की बिहार को एकजुट रखने की क्षमता पर सवाल उठाया, जब वे अपने ही गठबंधन के भीतर एकता बनाए नहीं रख सकते। शाह ने विपक्ष पर जंगल राज के दिनों को वापस लाने की चाहत रखने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बिहार को एक समृद्ध राज्य बना सकते हैं। शाह ने कहा कि जो गठबंधन एकजुट नहीं है, क्या वह गठबंधन बिहार को एकजुट रख सकता है? बिहार को एकजुट, सुरक्षित और समृद्ध रखना केवल नीतीश जी और मोदी, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व से ही संभव है। भाइयों और बहनों, हाजीपुर स्वर्गीय रामविलास पासवान जी की कर्मभूमि थी। 1977 में, हाजीपुर से रामविलास पासवान सांसद बने, और उन्होंने जीत का जो कीर्तिमान स्थापित किया, वह अपतटीय काल तक अटूट रहा। कोई नहीं। शाह ने बिहार के लोगों से एनडीए गठबंधन का समर्थन करने और राज्य के विकास एवं समृद्धि को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की प्रगति के प्रति गठबंधन की प्रतिबद्धता और जंगल राज की वापसी को रोकने के उसके दृढ़ संकल्प पर प्रकाश डाला।

महिला टीम की दृढ़ता, कौशल और अदम्य साहस ने देश को अपार गौरव दिलाया : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम 52 रन से जीत दर्ज कर विश्व क्रिकेट की नई चौंपियन भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 298 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने जीत की बधाई दी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतने पर टीम इंडिया को हार्दिक बधाई। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि और देश के लिए गौरव का क्षण है, क्योंकि हरमनप्रीत कौर के प्रेरणादायक नेतृत्व में हमारी

क्रिकेटरों ने अपना पहला विश्व कप खिताब जीता है। शैफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन ने भारत को यह यादगार जीत दिलाई। हमारी महिला टीम की दृढ़ता, कौशल और अदम्य साहस ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है और देश को अपार गौरव दिलाया है। दक्षिण अफ्रीका ए टीम के खिलाफ खेलेंगे महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह भारत की महिला योद्धाओं की ऐतिहासिक जीत है. पूरा खेल शानदार रहा। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतने पर हमारी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक जीत उनके साहस, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का प्रमाण है। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और लाखों युवा सपने देखने वालों को ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित किया है। आगे और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं। हर खिलाड़ी पर गर्व है। ट्रॉफी माता–पिता को किया समर्पित गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि चौंपियन! महिला क्रिकेट विश्व कप फाइनल में शानदार जीत के लिए हमारी अद्भुत ब्लू गर्ल्स को हार्दिक बधाई! आपके साहस, जुनून और टीम भावना ने देश को गौरवान्वित किया है और भारत भर के अनगिनत युवा सपने देखने वालों को प्रेरित किया है। यह भारतीय क्रिकेट के लिए वाकई एक सुनहरा पल है। मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कहा कि बेटियों ने लहराया भारत का परचम।

सरकार राज्य में नैदानिक सुविधाओं के लिए 213 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में नैदानिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 213.75 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक व्यापक खाका तैयार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक बयान के अनुसार, इस योजना में अत्याधुनिक नैदानिक उपकरण स्थापित करना, रोगों का सटीक और समय पर पता लगाना तथा रोगियों के लिए शीघ्र उपचार सुनिश्चित करना शामिल है। चूंकि, निदान में देरी से अक्सर मरीज के बीमारी की स्थिति बिगड़ जाती

है, इसलिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण योजना लागू करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने कई दौर की चर्चाओं और मेडिकल कॉलेजों तथा अन्य अस्पतालों के चिकित्सकों से फीडबैक के बाद परियोजना का खाका तैयार कर लिया है। योजना के अनुसार, शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, चमियाना अस्पताल, नेरचौक मेडिकल कॉलेज, नाहन मेडिकल कॉलेज और चंबा मेडिकल कॉलेज के लिए 95 करोड़ रुपये की लागत से पांच हाई–रिजॉल्यूशन एमआरआई मशीन खरीदी जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सात मेडिकल कॉलेज में दो–दो उन्नत सीटी इमेजिंग मशीन लगाई जाएंगी, जिन पर कुल 28 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

अजित पवार ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राकांपा की तैयारियों का जायजा लिया

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने संगठन को मजबूत करने और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के प्रयासों के तहत सोमवार को मुंबई में अपनी पार्टी की जिला और ब्लॉक समितियों के साथ बैठकें कीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने एक बयान में कहा कि बैठकों में वर्तमान संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा, स्थानीय चुनौतियों की पहचान और राज्य व जिला नेतृत्व के बीच

समन्वय में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। राज्य में बृहन्मुंबई नगर निगम सहित विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव जनवरी 2026 तक पूरे होने हैं। चर्चा के दौरान, राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने जिला और ब्लॉक समिति के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समाधान किया। उन्होंने कहा, राकांपा नेतृत्व स्थानीय निकाय चुनावों में राकांपा की बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट, अभियान टीम के संदर्भ में स्थानीय नेतृत्व को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। हमारा उद्देश्य हर स्तर पर संगठन को मजबूत करना और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छे परिणाम सुनिश्चित करना है।

सरकारी कर्मचारियों पर बनाया जा रहा दबाव

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री आशीष सेलार ने ठाकरे बंधुओं पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और सरकारी कर्मचारियों पर एसआईआर को लेकर दबाव बनाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष झूठा नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहा है। चुनाव आयोग ने बीते दिनों महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कराने का फैसला किया था। विपक्ष द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। हाल ही में महा विकास अघाड़ी ने इसके खिलाफ मोर्चा भी निकाला और चुनाव आयोग पर भाजपा की मदद करने के आरोप लगाए। अब सत्ताधारी भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं और आगामी निकाय चुनाव के लिए सरकारी कर्मचारियों पर दबाव बनाने की

साजिश रच रहे हैं। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत राज्यभर के निकायों में जनवरी 2026 तक चुनाव होने हैं। शेलार ने आरोप लगाया कि श्ठाकरे बंधु और महा विकास अघाड़ी के नेता पाप कर रहे हैं, वे बिहारियों से नफरत करने के साथ ही अपने ही मराठी लोगों को भी निशाना बना रहे हैं। शेलार ने कहा कि श्वे हमारा राजनीतिक रूप से विरोध कर सकते हैं, लेकिन उन्हें इतना नीचे नहीं गिरना चाहिए। वे हिंदू मतदाताओं की कथित कई एंट्री पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन ऐसा करके वे हिंदू मुस्लिम बंटवारे के बीज बो रहे हैं। उन्होंने अन्य समुदाय के मतदाताओं के नामों का जिक्र क्यों नहीं किया? हम इसका जवाब चाहते हैं। शेलार ने कहा कि श्क्यों मराठी लोगों पर ही मतदाता सूची में फर्जी एंट्री के आरोप लगाए जा रहे हैं? एनसीपी एसपी विधायक रोहित पवार द्वारा करजत जमखेड विधानसभा में फर्जी एंट्री के आरोप लगाए गए, लेकिन उसी लिस्ट में इमरान कादर और तबस्सुम अब्दुल मुलानी के नाम की भी डबल एंट्री हैं, लेकिन ये राज ठाकरे को क्यों नहीं दिखाई दी और उन्हें सिर्फ मराठी लोगों के नाम ही क्यों दिखे?श आशीष सेलार ने कहा कि श्मुस्लिम और अन्य समुदाय के लोगों के नामों की भी कई एंट्रीज हैं, लेकिन सिर्फ हिंदू, दलित, मराठी लोगों की ही बात की जा रही है। किसान नेता किशोर तिवारी ने शिवसेना यूबीटी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। तिवारी ने राज ठाकर के साथ गठबंधन के फैसले से नाराजगी जताते हुए पार्टी छोड़ने का फैसला किया।

संपादकीय

विकास का केरल मॉडल, द रियल केरल स्टोरी

दो दिन पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बड़े ऐलान के साथ पूरे पन्ने के विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित हुए। ऐलान यह था कि केरल भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जो गरीबी से पूरी तरह मुक्त हो गया है। 1 नवंबर शनिवार को राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर बाकायदा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर सरकार ने इस खास उपलब्धि का जिक्र जनता के बीच किया। केरल में देश की एकमात्र वामपंथी सरकार है और इस सरकार ने अपने यहां घोर गरीबी को पूरी तरह खत्म करने का दावा किया है। केरल ने 64 हजार लोगों को बेहद गरीबी से बाहर निकालकर ये उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, विपक्ष ने इस घोषणा को धोखा बताया है और विधानसभा के विशेष सत्र बुलाने की भी आलोचना की। विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने कहा कि यह घोषणा एक श्कपटपूर्ण घोषणाश है और सभी अखबारों में इसके विज्ञापन दिए गए हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि यह निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया गया था और यह कोई गुप्त मामला नहीं था। विशेष सत्र इसलिए बुलाया गया, क्योंकि विधानसभा द्वारा जनता को इस उपलब्धि ा के बारे में सूचित करना उचित समझा गया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि, श्सरकार केवल उन कार्यों की बात करती है जो पूरे हो चुके हैं। जनादेश का आधार किए गए वादों को पूरा करना है, जो हासिल हुआ है उसे बनाए रखने के लिए कदम उठाए जाते रहेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग अत्यधिक गरीबी से उबर चुके हैं, वे फिर से गरीबी में न फंसें। केरल देश के सामने एक नया मॉडल पेश कर रहा है।श उन्होंने आगे कहा कि यह उपलब्धि देश के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श होगी। मुख्यमंत्री ने अपने आधे घंटे के संबोधन में कहा, श्यह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।श वहीं अध्यक्ष ए. एन. शमसीर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि केरल समाज के सभी वर्गों को संसाधन वितरित करके सामाजिक प्रगति–उन्मुख विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधानसभा अध्यक्ष के बयान में समाज के सभी वर्गों के बीच संसाधनों का वितरण और समाज की प्रगति का जो जिक्र किया गया है, वह आज के दौर में खास गौर फरमाने लायक बात है। क्योंकि देश को अब इस बात पर खुश होने कहा जाता है कि गिनती के उद्योगपति दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आ गए हैं। आर्थिक हैसियत में अंतर की खाई देश में बढ़ती जा रही है, लेकिन इस पर राज्य सरकारों या केंद्र सरकार ने कोई गंभीर चिंतन किया हो, उसके कारण समझने की कोशिश की हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। गरीबों के और गरीब होने की सबसे बड़ी वजह यही है कि संसाधनों पर कुछ लोगों का कब्जा हो गया है, जिससे उन्हें अपनी दौलत को बढ़ाने के पर्याप्त मौके मिल रहे हैं। सरकार निजी क्षेत्रों की भागीदारी वाले विकास मॉडल के नाम पर कुछ उद्योगपतियों को वो सारे संसाधन सौंप चुकी है, जिनका सही इस्तेमाल करना असल में सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा नहीं किया, तो गरीबों को इसका नुकसान उठाना पड़ा। उनके पास अच्छी शिक्षा, सरकारी नौकरी, अच्छे स्वास्थ्य, मनोरंजन, तरक्की के जो मौके होने चाहिए थे, वो बड़ी चालाकी से छीन लिए गए। फिर इस गरीबी को कई तरह से परिभाषित कर लोगों को उलझाया गया, ताकि उनका ध्यान इस बात पर जाए ही नहीं कि गरीब परिवार में पैदा होना, गरीबी में जीवन गुजारना और गरीब बने रहकर ही मर जाना, उनकी नीयती नहीं थी, बल्कि धन्ना सेठों की तिजोरी भरने के लिए ऐसे हालात बना दिए गए। गरीबों का गुस्सा फूटे नहीं इसके लिए कभी गैर सरकारी संगठनों को प्रेशर कुकर की सीटी की तरह इस्तेमाल किया गया,।

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

विजय

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा। भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण–पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013–14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024–25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल–ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल–ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन–किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन–किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंध ान–कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन–किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन–किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग–2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी–मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है। अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे।

वादे और दावे के बीच झूलती बिहार की राजनीति

सुरेश

बिहार में चुनावी घमासान की हवा चल रही है। प्रमुख राजनीतिक दल इस हवा के रुख को अपनी ओर मोड़ने का जी तोड़ प्रयास भी कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी अभी तक कोई भी ऐसी आश्वस्ति पीलिक्षित नहीं हो रही है कि हवा किस ओर बह रही है। राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे दावे और वादे सत्ता की राह को आसान बनाने की मात्र कवायद ही कही जा सकती है। बिहार की राजनीति में चार प्रमुख राजनीतिक दल जोर लगा रहे हैं, बाकी के सभी इनके सहारे सत्ता का स्वाद चखने के लिए लालायित हैं। यह प्रमुख दल अपने ही दल के अंदर उठ रहे भीतरघात के लावे से परेशान हैं। जहां तक राष्ट्रीय जनता दल की बात है तो उनके घर के अंदर से ही विरोध की चिंगारी सुलग रही है। जो भविष्य में बड़ी आग का रूप भी ले सकती है। तेजप्रताप यादव नए दल के साथ चुनावी मैदान में उतरकर तेजस्वी के सपनों को मिटाने का अभियान छेड़े हुए हैं, वहीं उनके पिता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के शासन करने का अंदाज एक बड़ी चुनौती बन रहा है। भारतीय जनता पार्टी एक प्रकार से इसी को चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि बिहार को विकास चाहिए या फिर जंगलराज चाहिए। लालू प्रसाद यादव के शासन बारे में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से इस आशय की टिप्पणी की गई थी कि बिहार में जंगलराज है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अपनी सरकार के बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए राजद के पास केवल भाजपा का विरोध करना ही प्रचार करने का एक मात्र विकल्प है। यह वोट प्राप्त करने का माध्यम तो बन सकता है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नकारात्मक राजनीति का पर्याय ही माना जाएगा। नकारात्मक राजनीति किसी भी प्रकार से उचित नहीं मानी जा सकती। बिहार की राजनीति में वोट चोरी का मामला भी जोर शोर से उठाया गया। इसका लाभ भी विपक्ष उठा सकता था, लेकिन ऐसा लगता है कि इस मुद्दे को उठाने में विपक्ष ने जल्दबाजी कर दी। चुनाव आयोग की ओर से वोट चोरी के बोर में पक्ष रखने के बाद यह मुद्दा गहरी खाई में समा गया। कांग्रेस और राजद की ओर से जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, वह यही संकेत करती है कि इनको सत्ता प्राप्त करने की जल्दी है। हमारे देश में एक कहावत तो सबने सुनी ही होगी कि जल्दी फायदा कम, नुकसान ज्यादा करती है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की दोस्ती का परिणाम सभी देख चुके हैं। अब बिहार में राहुल और तेजस्वी एक साथ हैं। राजनीतिक वातावरण में हमेशा से यही प्रचलित धारणा बनी हुई है कि दुश्मन का दुश्मन भी एक दोस्त की तरह ही होता है। कांग्रेस, भाजपा को राजनीतिक विरोधी ही मानती है, इसके साथ ही राजद के विचार भी भाजपा के विपरीत ही हैं। इसलिए बिहार में आज कांग्रेस और राजद एक साथ हैं। विपक्ष की ओर से राजद के नेता तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा भी घोषित कर दिया है। उन पर परिवारवाद की राजनीति का तमगा भी लगा है। इसके कारण भी राजद के अन्य वरिष्ठ नेता मैदान में खुलकर नहीं आ रहे हैं। राजद के कई नेताओं का अंदाज तेज प्रताप को समर्थन देने जैसा ही है। इस प्रकार की राजनीति भितरघात की श्रेणी में आएगी। अगर बिहार में तेजप्रताप अपना राजनीतिक कौशल दिखा पाते हैं तो यह स्वाभाविक तौर पर कहा जा सकता है कि फिर तेजस्वी की राह कांटों भरी ही होगी। दोनों भाइयों के बीच यह राजनीतिक घमासान मात्र नेतृत्व की ही लड़ाई है। यह भी सबको समझ में आ रहा है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का चुनावी मैदान में आना राजनीतिक सौदेबाजी करने जैसा ही माना जा रहा है। प्रशांत किशोर जितना जोर दिखाएंगे, उतना ही वह बिहार की राजनीति को प्रभावित करेंगे। यह प्रभाव किसके लिए खतरा बनेगा, यह अभी से कह पाना संभव नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति स्थिति को देखकर यही कहा जा रहा है कि प्रशांत किशोर का फोकस उन वोटों पर अधिक है, जो राजद या कांग्रेस को मिलते हैं। कर्पूरी ठाकुर के परिजन को अपनी पार्टी से उम्मीदवार बनाना भी संभवतरू इसी रणनीति का ही हिस्सा है। जहां तक भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू की बात है तो यही कहा जा सकता है कि यह दोनों ही विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। बिहार को विकास की जरूरत भी है। भाजपा और जदयू को लगता है कि विकास के नाम पर उसे फिर से सत्ता प्राप्त हो जाएगी। इसके विपरीत विपक्ष की ओर से कांग्रेस और राजद की ओर से आम जन के निजी स्वार्थों को कुरेदकर उनको आर्थिक लाभ देने के वादे किए जा रहे हैं। ऐसे वादे लोग को त्वरित लाभ तो दे सकते हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। नौकरियां देना भी असंभव है, इसलिए स्वरोजगार देने का प्रयास करना चाहिए। केन्द्र सरकार इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। जिसके अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं। कई लोगों ने अपना जीवन स्तर भी सुधारा है। युवाओं को नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला

बनाने का प्रयास करने की आवश्यकता है। बिहार के युवा इस बारे में सोचें, यही बिहार की राजनीति का आधार बने। राजनीतिक दलों को इस बारे में भी सोचना चाहिए। राजनीति को जन भावनाओं के अनुसार ही होना चाहिए। इसके लिए परिवारवाद नहीं, लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए हर राजनीतिक दल को प्रयास करना चाहिए। हालांकि हमारा आशय परिवार के सहारे राजनीति में कदम रखने वाले राहुल और तेजस्वी के राजनीतिक अस्तित्व पर सवाल खड़े करने का नहीं है। हो सकता है कि वे देश की भावी राजनीति के सूत्रधार बनें, लेकिन फिलहाल उनके खाते में ऐसी कोई राजनीतिक उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर उनका राजनीतिक आंकलन किया जाए। विपक्ष की दूसरी कठिनाई यह है कि इनके पास प्रचार करने वाले जमीनी नेताओं की कमी है, जबकि भाजपा और जदयू में ऐसे नेताओं की लम्बी सूची है। जिसके कारण यह सभी जगह अपना प्रचार करने की योजना बना सकते हैं। अब देखना यह है कि बिहार की जनता किसको पसंद करेगी और किसको नापसंद, यह आने वाले समय में पता चल जाएगा।

भारत का डिजिटल विस्तार और ई–वेस्ट की चुनौती

राजु

भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभी भी सीमित है, वहां ई–वेस्ट एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। पुराने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर या प्रिंटर जैसे उपकरणों में मौजूद लेड, पारा और कैडमियम जैसी विषैली धातुएं जब मिट्टी या जल में घुलती हैं, तो यह न केवल पर्यावरण बल्कि मानव शरीर के लिए भी घातक सिद्ध होती हैं। ईवेस्ट यानी इलेक्ट्रॉनिक कचरा आज दुनिया के सामने एक बढ़ता हुआ पर्यावरणीय खतरा बन चुका है। आधुनिक जीवन में तकनीकी उपकरणों की बढ़ती संख्या ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं इनके अनुपयोगी या अपनी जरूरत से कमतर उपयोगी हो जाने के बाद उत्पन्न कचरे ने पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए नई समस्या खड़ी कर दी है। ग्लोबल ई–वेस्ट मॉनिटर 2024 के अनुसार वर्ष 2022 में दुनिया भर में लगभग 62 मिलियन टन ई–वेस्ट उत्पन्न हुआ था और अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह बढ़कर लगभग 82 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। विश्व स्तर पर इसका केवल 22.3 प्रतिशत भाग ही वैज्ञानिक रूप से री–सायकल किया जा रहा है, बाकी या तो खुले में फेंका जा रहा है या लैंडफिल में दबा दिया जाता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई–वेस्ट उत्पादक देश है। कोविड–19 महामारी के दौरान ऑनलाइन कार्य, ई–लर्निंग, ई–कॉमर्स और घर से काम करने की प्रवृत्ति ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खपत को कई गुना बढ़ा दिया। मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, कैमरा और नेटवर्किंग उपकरणों की मांग में आई इस अचानक वृद्धि ने ई–वेस्ट उत्पादन को भी तेजी से बढ़ाया। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में 16 दिसंबर 2024 प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले पांच वर्षों में ई–वेस्ट उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2019–20 में 10. 14 लाख टन (1.01 मिलियन मीट्रिक टन) ई–वेस्ट उत्पन्न हुआ था, जो बढ़कर वर्ष 2023–24 में 17.51 लाख टन (1.751 मिलियन मीट्रिक टन) हो गया। यह वृद्धि लगभग 72.5 प्रतिशत रही है, जो यह दर्शाता है कि पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों के उपयोग में तेजी से वृद्धि के साथ ई–वेस्ट का बोझ भी बढ़ा है। इससे यह स्पष्ट है कि डिजिटल निर्भरता जितनी बढ़ी है, पर्यावरणीय चुनौतियां भी उसी गति से बढ़ी हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभी भी सीमित है, वहां ई–वेस्ट एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। पुराने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर या प्रिंटर जैसे उपकरणों में मौजूद लेड, पारा और कैडमियम जैसी विषैली धातुएं जब मिट्टी या जल में घुलती हैं, तो यह न केवल पर्यावरण बल्कि मानव शरीर के लिए भी घातक सिद्ध होती हैं। ग्रामीण इलाकों या शहरी झुग्गियों में जहां अनौपचारिक रूप से ई–वेस्ट को जलाकर कीमती धातुएं निकाली जाती हैं, वहां वायु प्रदूषण का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है। ऐसे लोग फेफड़ों और त्वचा से संबंधित गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। भारत में कुल ई–वेस्ट का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा अब भी अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा एकत्र और संसाधित किया जाता है। इस प्रक्रिया में पर्यावरण सुरक्षा के मानकों की अनदेखी होती है। सरकार ने ई–वेस्ट (प्रबंधन) नियम 2022 लागू किए हैं, जिनमें उत्पादक कंपनियों को अपने उपकरणों के जीवनकाल के बाद उनके जिम्मेदार निपटान की जवाबदेही दी गई है। लेकिन इस नीति का प्रभाव तभी दिखेगा जब इसे सख्ती से लागू किया जाए और नागरिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़े। भारत सरकार ने इस साल के स्वच्छता माह में श्ई–वेस्ट का निपटान एवं प्लास्टिक का कम से कम उपयोगश थीम रखकर इस समस्या की ओर समाज का ध्यान आकर्षित किया है। इसी क्रम में देशभर में कई सरकारी और औद्योगिक संस्थानों ने ई–वेस्ट प्रबंधन की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। इनमें भोपाल की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) इकाई का उदाहरण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भेल भोपाल ने यह दिखाया कि स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि यह संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और तकनीकी नवाचार से भी जुड़ी है। पुरानी फाइलों का डिजिटल रूप में परिवर्तित करना और फिजिकल दस्तावेजों का जिम्मेदार निपटान, एक ऐसा कदम है जो न केवल जगह की बचत करता है बल्कि कागज के अत्यधिक उपयोग को भी रोकता है। वहीं, पुराने कंप्यूटर और प्रिंटरों के व्यक्तिगत रूप से पुनरू उपयोग के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रोत्साहित करना, ई–वेस्ट को कम करने का व्यावहारिक उपाय है। इससे समाज में नए उपकरणों की आवश्यकता घटती है और पर्यावरण पर बोझ भी कम होता है। सबसे रोचक प्रयोग भेल भोपाल द्वारा मैग्नेटिक स्वीपर के रूप में किया गया, जिसके माध्यम से कारखाने के ब्लॉकों और सड़कों पर बिखरी लोहे की चिप्स को प्रभावी ढंग से एकत्रित किया गया। यह प्रयोग न केवल स्वच्छता बढ़ाने में सहायक साबित हुआ बल्कि धातु के पुनर्चक्रण का भी उत्कृष्ट उदाहरण बना। इस तरह के नवाचार उद्योगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकते हैं, जिससे ई–वेस्ट कम करने की दिशा में ठोस प्रगति हो। भारत के अन्य हिस्सों में भी कुछ संस्थान इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अपने रिफाइनरियों में पुराने आईटी उपकरणों के पुनर्चक्रण के लिए ई–वेस्ट कलेक्शन ड्राइव शुरू की है। इंफोसिस ने बेंगलुरु कैंपस में पुराने कंप्यूटरों को शिक्षा संस्थानों को दान करने की पहल की है, जिससे एक ओर डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिला और दूसरी ओर ई–वेस्ट घटा। दिल्ली, पुणे और

हैदराबाद जैसे शहरों में ई–वेस्ट बैंक स्थापित किए गए हैं जहां नागरिक अपने पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कर सकते हैं ताकि उनका वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जा सके। पुराने लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीद–बिक्री करने वाले बाजारों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की बढ़ती संख्या पुनरू उपयोग की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित कर रही है। स्पष्ट है कि ई–वेस्ट प्रबंधन एक बहुआयामी चुनौती है जिसके समाधान के लिए नीतिगत सख्ती के साथ तकनीकी नवाचार और सामाजिक भागीदारी, तीनों की समान भूमिका है। निर्माताओं को अपने उत्पादों की श्एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटीश निभानी चाहिए, स्थानीय निकायों को संग्रहण केंद्रों को सक्रिय बनाए रखना होगा, और नागरिकों को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण केवल उपयोग की वस्तु नहीं, बल्कि उसके निपटान की जिम्मेदारी भी उनका कर्तव्य है। ई–वेस्ट अब केवल औद्योगिक या तकनीकी समस्या नहीं रही, बल्कि यह जीवनशैली और सोच से जुड़ा प्रश्न बन गई है। हमें यह समझना होगा कि ई–वेस्ट कोई बेकार वस्तु नहीं, बल्कि पुनरू उपयोग योग्य संसाधन है, और इसके प्रबंधन के प्रति हमारी सजगता ही स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य की गारंटी दे सकती है।

लालू का समय जंगल राज नहीं गरीब का जागृति काल था

शकील

दरअसल लालू के शासन ने गरीबों में आत्मविश्वास, स्वाभिमान का भाव भरा था। खटिया पर बैठने लगे थे। सामंतों से बेगार के लिए मना करने लगे थे। लालू–राबड़ी का दौर सामाजिक रूप से भारी उथल–पुथल का दौर रहा। गरीब ने सिर उठाया। और यही ताकतवर समुदाय को बर्दाश्त नहीं हुआ। जंगल राज वह नहीं था वह सामाजिक जागृति का काल था। असली जंगल राज तो लोग अब देख रहे हैं। बिहार में सुशासन की पोल खुल गई है। जिस दौर को जंगल राज कह रहे थे उसमें कभी इस तरह चुनाव के बीच में नेताओं की हत्या नहीं हुई थी। मोकामा में दुलारचंद यादव की हत्या ने चुनाव का पूरा नरेटिव (कहानी) बदल दिया। हत्या में नामजद आरोपी और कुख्यात माफिया जिसे गोदी मीडिया छोटे सरकार कह रही थी अनंत सिंह को गिरफ्तार करना पड़ा। गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही वह कह रहा था ऐसी सौ एफआईआर मेरे खिलाफ हैं, मैं (गाली देकर) परवाह नहीं करता। मगर चुनाव आयोग केन्द्र सरकार और राज्य सरकार सबकी समझ में आ गया कि यह चुनाव प्रचार के बीच में हुई हत्या उन पर भारी पड़ने वाली है। डेमेज कंट्रोल के लिए उन्हें अनंत सिंह को रातोंरात गिरफ्तार करना पड़ा। दुलार चंद यादव की हत्या अकेली नहीं थी। इसी दौरान आरा में बाप–बेटे प्रमोद कुशवाहा और प्रियांशु कुशवाहा की गोली मारकर हत्या की गई। इससे एक दिन पहले पुलिस दरोगा अनिरुद्ध कुमार की गला रेतकर हत्या की गई। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के हिसाब से बिहार अपराध में शीर्ष पर है। उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि हम 18 नवंबर को शपथ लेंगे। और 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच जाति धर्म की परवाह के बिना सब अपराधियों को जेल भेज दिया जाएगा। बिहार से अपराधियों का खात्मा हो जाएगा। याद रहे चुनाव के इस घटनाक्रम से पहले राजधानी पटना में एक बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या कर दी गई थी। इस तरह की घटनाएं बिहार में लगातार हो रही हैं। मगर प्रधानमंत्री मोदी वहां प्रचार में कह रहे हैं कि जनता को जंगलराज और सुशासन में से चुनाव करना है। कौन सा सुशासन? जहां सत्ताधारी पार्टी का उम्मीदवार दूसरी पार्टी के उम्मीदवार के मजबूत समर्थक नेता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है! वह सुशासन है कि ऐसे लोगों को टिकट दिया जाता है। और गिरफ्तारी के बाद भी यह नहीं कहा जाता कि अब वह हमारा उम्मीदवार नहीं है। उम्मीदवारी वापस ली जाती है। नीतीश कुमार को एनडीए को यह घोषणा करना चाहिए। जंगल राज एक नरेटिव (कहानी) है। जब–जब कमजोर वर्ग की सरकार आती है इस तरह का प्रचार किया जाता है। सीधे सामाजिक ताकतों के हितों पर चोट पहुंचती है। लालू प्रसाद यादव से पहले कर्पूरी ठाकुर के मुख्यमंत्री बनने पर तो उन्हें गालियां दी गईं। मां को भी। और पिता को तो मारा पीटा गया। अभी जब प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार में कर्पूरी ठाकुर के गांव गए तो कांग्रेस ने पूछा कि जब कर्पूरी ठाकुर ने ओबीसी के लिए 26 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की थी तो उनके और परिवार के खिलाफ घृणा और अपमान से भरे नारे किसने लगाए थे? उनकी सरकार किसने गिराई थी? सब तो नहीं लिख सकते। मगर कुछ बता रहे हैं कि उस समय मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए सामाजिक प्रभुत्व वाले लोग क्या कहते थे– पेशे से वे उस समुदाय से आते थे जो हजामत बनाने का काम करते थे। उनके पिता से गांव के लोग बेटे के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद भी जबर्दस्ती यह काम करवाते रहे। एक बहुत दर्दनाक घटना है। जब पिता को खबर मिली कि बेटा मुख्यमंत्री बन गया है तो वे मिठाई बांटने लगे। लेकिन सामंतों को यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि घर आओ बाल बनाओ। खुशी के मौके पर जाने में थोड़ी देर हो गई तो मारा–पीटा गया कि औकात भूल गए। और जब पिछड़ों के आरक्षण की घोषणा

की तो नारे लगाए– आरक्षण कहां से आई कर्पूरी की मां बियाई! यथास्थितिवादियों के लिए ऐसे मुख्यमंत्री ऐसी सरकारें हमेशा से व्यंग्य हिकारत की पात्र रही हैं। मायावती जो आज यथास्थितिवादियों के साथ जा खड़ी हुईं हैं उन्हें तो क्या–क्या नहीं कहा गया। वे सामाजिक रूप से कर्पूरी ठाकुर की जाति से भी नीचे आती थीं। मगर सबसे ज्यादा तकलीफ इन्हें लालू के मुख्यमंत्री बनने से हुई। क्योंकि वे ऐसे समुदाय से आते थे जिनकी संख्या भी बिहार में अच्छी खासी थी। और जो सामाजिक रूप से भी कर्पूरी ठाकुर और मायावती की तरह दबे कुचले नहीं थे। उन्हीं की सरकार को बदनाम करने के लिए जंगल राज का मुहावरा गढ़ा गया। सामाजिक ताकत जिन के हाथों में होती है वे पुलिस, प्रशासन, मीडिया, न्याय व्यवस्था सब जगह अपनी पैठ रखते हैं। नरेटिव वहीं से बनता है। चाहे जिसे चोर बना दें, चाहे जिसे साहूकार! अभी भी चोरी के साथ– जातिगत शब्द का प्रयोग किया जाता है ना! केवल उन्हें दबाने, अपमानित करने के लिए। अभी गिरफ्तार अनंत सिंह जो गोदी मीडिया को दिन भर इंटरव्यू देकर चाहे जो बोल रहे थे उसने भी इस अपमानजनक भाषा चोरी– का प्रयोग किया। मीडिया को कोई आपत्ति नहीं हुई। और उसे क्या होती जो आज मायावती की ही नहीं हो रही है। जिन्हें दलितों ने सबसे ज्यादा समर्थन दिया। वे खामोश बैठी रहती हैं। या जब मौका मिलता है तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ बोलना शुरू कर देती हैं। बीजेपी सरकारों की तारीफ कर देती हैं। यह भूल जाती हैं कि बीजेपी की मध्यप्रदेश सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर ग्वालियर हाई कोर्ट में डा. आम्बेडकर की प्रतिमा नहीं लगने दे रही हैं और जो इसका विरोध करते हुए आम्बेडकर को अंग्रेजों का गुलाम तक कह रहे हैं उनके खिलाफ एफआईआर होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वे यह भी कह रहे हैं संविधान लिखने का झूठा श्रेय आम्बेडकर को दिया जाता है। वे कोई एक और नाम ढूंढ कर लाए हैं बीएन राव जो सवर्ण हैं कहते हैं –यह तो वही लिख सकते थे। और उस बात को फिर केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी कहते हैं। आम्बेडकर को जबर्दस्ती संविधान लिखने का श्रेय दिया गया। शब्द देखिए। जबर्दस्ती! यही नरेटिव होता है। यह भी चल जाएगा। जंगल राज पटना हाई कोर्ट की एक मौखिक टिप्पणी है। और यह सीधे लालू के खिलाफ कभी नहीं थी। बल्कि जैसे आज दिल्ली और एनसीआर में भयानक प्रदूषण है। अभी बरसात में गुड़गांव की सड़कों पर जो पानी भरा था। वैसे ही 1997 में लालू यादव के इस्तीफे के बाद राबड़ी के शासन के दौरान मानसून के समय भारी बारिश से पटना में भरे पानी पर यह हाईकोर्ट की यह मौखिक टिप्पणी थी। याद रहे किसी राजनीतिक मुकदमे या आपराधिक मामले में यह टिप्पणी नहीं आई थी। देश भर में इस तरह के जाने कितने मामले होते रहते हैं उसी तरह के मामले में थी। राज्य सरकार के बारे में बिल्कुल नहीं थी। पटना नगर निगम को कहा गया था।

छठे दिन शुरू हुआ सर्च अभियान मिले थे दो शव छह लोग अब भी लापता

लखनऊ, (संवाददाता)। भरथापुर नाव हादसे का सोमवार को छठवां दिन शुरू हो गया। रविवार को लापता आठ लोगों की तलाश में लगी टीमों ने शाम को दो शवों को नदी से बरामद कर लिया। नाविक शिवनंदन (50) का शव बैराज के अपस्ट्रीम में मिला, वहीं सुमन (28) का शव घटनास्थल से लगभग 15 किलोमीटर दूर लखीमपुर खीरी क्षेत्र से बरामद हुआ। परिजनों ने दोनों की शिनाख्त कर ली है। अभी भी छह लोग लापता हैं। रविवार सुबह 6:00 बजे घने कोहरे के बीच एसएसबी 70वीं बटालियन की टीम ने फिर से मोर्चा संभाला। राहत एवं बचाव कार्य के तहत कमांडेंट राजन श्रीवास्तव और असिस्टेंट कमांडेंट हरि सिंह के नेतृत्व में 24 जवान नदी के किनारे और जंगल क्षेत्र में तलाश में जुटे रहे। दोपहर बाद एनडीआरएफ और एसएसबी की संयुक्त टीम को पहला शव घाघरा बैराज से लगभग पांच किलोमीटर दूर गुलरिया गांव के सामने मिला, जिसकी पहचान भरथापुर निवासी नाविक शिवनंदन (50) के रूप में हुई। ग्रामीणों ने लखीमपुर खीरी जिले के सुजानपुर जंगल में नदी किनारे महिला का शव उतराता देखा, जिसकी पहचान भरथापुर निवासी सुमन (28) के रूप में हुई है। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेस्क्यू दल में हेड कांस्टेबल बी रवी भंडारी, एम राजेश सिंह, मुकेश कुमार सिंह, आशीष गौड़, परेशचंद्र शेट्टी, कांस्टेबल मिथिलेश कुमार, मनोज शिवाजी रावत, पुनीत कुमार, राजेश कुमार मौर्य, अवधेश सिंह तोमर और सुमित शामिल रहे। नदी का प्रवाह तेज है। क्षेत्र भी घने जंगलों से घिरा है। इस कारण तलाशी में कठिनाई आ रही है। इसके बाद भी जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, अभियान जारी रहेगा। सोमवार सुबह से फिर अभियान शुरू किया जाएगा। भरथापुर गांव में नाव दुर्घटना में पीड़ित परिजनों से रविवार को मिलने के जा रहे सपाइयों को पुलिस टीम ने रोक दिया। तीखी नोकझोंक हुई। काफी कहासुनी के बाद पुलिस ने सपाइयों को पीड़ित परिवार से मिलाया। सपाइयों ने शासन–प्रशासन व सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। भरथापुर गांव में हुई नाव दुर्घटना में अभी भी छह लोग लापता है। रविवार को पीड़ित परिवार के लोगों से मिलने निकले सपाइयों की टीम जब भरथापुर गांव के बॉर्डर पर पहुंची।

रेडीमेड कपड़े की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 50 लाख का नुकसान

लखनऊ, (संवाददाता)। अमेठी जिले के जगदीशपुर कस्बे के मुख्य बाजार में रविवार रात उमेश कौशल की रेडीमेड कपड़ों की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में पूरी दुकान जलकर खाक हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बिजली सप्लाई बंद कर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से लगभग 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उमेश कौशल ने बताया कि वे रमणीक सिंह के मकान के दूसरे तल पर किराये पर दुकान लेकर रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करते हैं। रविवार को दुकान बंद कर घर चले गए थे। रात करीब दो बजे आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं उठते देखा और उन्हें सूचना दी। जब दुकान का शटर खोला गया तो अंदर से आग और धुएं का गुबार बाहर निकलने लगा। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। संकरी गली के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी दिक्कत हुई। करीब दो घंटे की कड़ी मेहनत के बाद लपटों पर नियंत्रण पाया गया। तब तक दुकान में रखा सारा रेडीमेड माल, फर्नीचर और इलेक्ट्रिक सजावट जल चुकी थी। उमेश ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए कुछ दिन पहले नया स्टॉक आया था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने लगभग 50 लाख रुपये की क्षति का अनुमान बताया। नीचे तल पर स्थित राजकुमार की किराने की दुकान में आग बुझाने के दौरान पानी चला गया, जिससे करीब 50 हजार रुपये का सामान खराब हो गया। आग की गर्मी और धुएं से रमणीक सिंह की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास की दुकानों में धुआं भर जाने से कपड़े और अन्य सामान भी खराब हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

कीर्तन यात्रा में दिखा प्रकाश और संगीत का अद्भुत संगम

लखनऊ, (संवाददाता)। पंज प्यारों की अगुवाई में श्री गुरुग्रंथ साहिब जी को खूबसूरत पालकी में विराजमान किया गया। पालकी को फूलों, रंग–बिरंगी लाइटों और सतरंगी चादरों से सजाया गया। हजारों की संख्या में संगत नंगे पैर, हाथ जोड़े, भक्ति भाव में लीन श्श्श्वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहश्श्श्श के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यह खूबसूरत नजारा गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली गई कीर्तन यात्रा में देखने को मिला। नाका हिंडोला गुरुद्वारा समिति की ओर से यह आयोजन किया गया। इसमें प्रकाश और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। दोपहर एक बजे गुरुद्वारा से यात्रा का शुभारंभ हुआ। चारबाग, बासमंडी, लाटूश मार्ग, अमीनाबाद होते हुए वापस नाका गुरुद्वारा पहुंची। इस दौरान यात्रा में शामिल रागी जत्थों ने मधुर स्वर में शबद–कीर्तन का गायन किया। श्श्नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भलाश्श से सड़कें गुंजायमान रहीं। गुरुवाणी की ये पवित्र धुनें सुनने वालों को एक शांति और अलौकिक आनंद प्रदान कर रही थीं। वहीं, सिख युवकों ने पारंपरिक गतका के शानदार करतब दिखाए। नाका गुरुद्वारा के अध्यक्ष डॉ. अमरजोत सिंह, यूपी सिख प्रतिनिधि बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. गुरमीत सिंह सरबजीत सिंह, सचिव हरमीत सिंह व हजारों लोग मौजूद रहे। कीर्तन यात्रा एकता और सेवा का अनुपम नजारा देखने को मिला। मार्ग के दोनों ओर जगह–जगह लंगर लगाए गए, जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने सड़कों पर झाड़ू लगाई और पानी का छिड़काव किया।

स्ट्रोक और स्ट्रेस से निजात दिला सकता है कंपन विज्ञान

लखनऊ, (संवाददाता)। ब्रिटेन में लंदन अकादमी ऑफ स्पोर्ट्स एंड हेल्थ साइंस के एसोसिएट डायरेक्टर प्रो. सैय्यद मो. वारिस के मुताबिक फिजियोथेरेपी में कंपन विज्ञान (वाइब्रेशन साइंस) की प्रमुख भूमिका है। कंपन विज्ञान के इस्तेमाल से स्ट्रोक और स्ट्रेस से निजात दिलाई जा सकती है। डॉ. वारिस रविवार को निरालानगर स्थित होटल में आयोजित फिजियोथेरेपी के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में बोल रहे थे। डॉ. वारिस ने बताया कि वाइब्रेशन से मांसपेशियों की उत्तेजना, दर्द में कमी और गति की सीमा में सुधार किया जा सकता है। इसमें विशिष्ट उपकरणों की सहायता से शरीर के प्रभावित हिस्सों में कंपन किया जाता है, जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है। इससे पहले सेमिनार का शुभारंभ रक्षामंत्री के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राघवेंद्र शुक्ला, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिवाकर त्रिपाठी और हज कमेटी के अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. एहतेशाम हुदा ने किया। सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ. संजय शुक्ला ने कहा कि फिजियोथेरेपी का इस्तेमाल पश्चिमी देशों में पहले से हो रहा है। पिछले कुछ समय से अपने देश में भी इसका इस्तेमाल बढ़ा है। इस मौके पर डॉ. नम्रता सूरी, डॉ. ब्रजेश त्रिपाठी, डॉ. तेजवीर सिंह, डॉ. सुमित श्रीवास्तव, डॉ. सुरेंद्र गौतम उपस्थित रहे। डॉ. विष्णु मूर्ति पाठक ने कहा कि फिजियोथेरेपी का सही इस्तेमाल कर काफी लोगों को घुटने के प्रत्यारोपण से बचाया जा सकता है। नई तकनीक ने फिजियोथेरेपी को और अधिक कारगर बनाया है।

डिग्री व मेडल पाकर मेधावियों ने ली न्याय का साथ देने की शपथ

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में रविवार को चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। मेधावी छात्र–छात्राओं ने डिग्री व मेडल पाकर न्याय का साथ देने की शपथ ली। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति ने मेधावियों को सलाह दी, अर्थ–वती विद्या की जगह मूल्य–वती विद्या को तरजीह दें। मौके पर बीए–एलएलबी ऑनर्स, एलएलएम वन इयर, पीजीडी सीएल, पीजीडी आईपीआर पाठ्यक्रमों के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इनमें पांच गोल्ड, पांच सिल्वर और पांच ब्रॉज मेडल रहे। छह स्पांसर मेडल से भी मेधावियों को सम्मानित किया गया। समारोह में कुल 309 छात्रों को उपाधि दी गई। इनमें पीएचडी के 24, एलएलबी के 176, एलएलएम के 51, पीजी डिप्लोमा के 58 विद्यार्थी शामिल रहे। इसमें बीए एलएलबी की दर्शिका पांडेय को तीन पदक मिले। इसमें संवैधानिक विधि में सर्वोच्च अंक पाने के लिए स्व. पद्मावती मोहनलाल जरीवाला स्वर्ण पदक, स्टूडेंट ऑफ द ईयर के लिए वीरेंद्र भाटिया स्वर्ण पदक और बीए एलएलबी में कांस्य पदक है। बीए–एलएलबी ऑनर्स के छात्र अभ्युदय प्रताप को दो स्वर्ण पदक मिले। इसमें बीए एलएलबी (ऑनर्स) में स्वर्ण पदक और केके लूथरा मेमोरियल स्वर्ण पदक है। इसी तरह से एलएलएम प्रथम वर्ष की छात्रा हार्षिता यादव को स्वर्ण, पीजी डिप्लोमा इन इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स में आत्रेय त्रिपाठी को स्वर्ण, पीजी डिप्लोमा इन साइबर लॉ में अमन कुमार को स्वर्ण, पीजी डिप्लोमा इन मेडिकल लॉ एंड एथिक्स में राघव त्रिपाठी को स्वर्ण पदक दिया गया। जस्टिस सूर्यकांत ने मेधावियों से कहा कि अपने काम के दौरान खुद से पूछे गए सवाल बेहद अहम होंगे। जैसे क्या मैंने तैयारी ठीक की थी? क्या बहस ठीक से की थी? 15 साल की प्रैक्टिस के बाद आप ये सवाल खुद से पूछेंगे कि क्या मेरे केस में आने वाला जजमेंट आगे के 100 केस को हल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि याद रखें, कि हर क्लाइंट आपके पास केस लेकर आता है, पर कुछ केस आपको यह सोचने पर मजबूर करेंगे कि आप किस स्तर के वकील हैं। इस मौके पर जस्टिस विक्रमनाथ ने कहा कि जब मुझे वर्ष 2023 में यहां का विजिटर बनाया गया,।

सनातन धर्म एक चींटी को भी मारने की इजाजत नहीं देता और सभी जीवों से प्रेम करना सिखाता है – पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती महाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मां शीतला धाम चौकियां में आयोजित दो दिवसीय देव दीपावली महोत्सव के अवसर पर जौनपुर पहुंचे अटल अखाड़ा जम्बू कश्मीर के पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती महाराज ने मंगलवार को सनातन धर्म को सभी धर्मों का मूल बताया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक चींटी को भी मारने की इजाजत नहीं देता और सभी जीवों से प्रेम करना सिखाता है। उक्त बाते उन्होंने ने केशवपुर स्थित जे एम एस ग्रैंड होटल में पत्रकारों से बात कर रहे थे। स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती ने सनातन धर्म की प्राचीनता पर जोर देते हुए कहा कि यह सभी धर्मों की जननी है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म किसी को भी लालच या डर से धर्म परिवर्तन करने की अनुमति नहीं देता। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत में आज भी कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने भले ही दूसरा धर्म अपना लिया हो, लेकिन वे अपने नाम के आगे अपनी जाति का शीर्षक वही लगाते हैं। भद्राचार्य द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाने, हिंदू संख्या 80 प्रतिशत करने और 470 सीटें होने पर ही हिंदू राष्ट्र बनाने संबंधी बयानों पर पूछे गए सवाल के जवाब में स्वामी जी ने इसे कुछ लोगों की षसियासी बातष करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए, क्योंकि सनातन धर्म दूसरे ध र्मों का भी सम्मान करना सिखाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर किसी को अपने धर्म का प्रचार–प्रसार करने का अधिकार है, लेकिन किसी दूसरे धर्म की निंदा करने के बजाय अपने धर्म की अच्छाइयों का वर्णन करना चाहिए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने नेताओं को सहनशक्ति रखने और ऐसे शब्दों का प्रयोग न करने की सलाह दी, जिनसे समाज में नफरत या द्वेष फैले।

संक्षिप्त खबरें

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बीबीएयू के विद्यार्थी अव्वल

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के विधि विभाग के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विभाग की छात्रा अंजु बाला (चतुर्थ वर्ष), आयुष सिंह (चतुर्थ वर्ष) और अविरल द्विवेदी (द्वितीय वर्ष) की टीम ने इंदौर में आयोजित तृतीय डॉ. केएल ठकुराल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह प्रतियोगिता ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर के फैकल्टी ऑफ लॉ की ओर से आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के अलग–अलग विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम को 30,000 की नकद राशि व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

रबी सीजन के लिए प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ खाद की उपलब्धता की समीक्षा की और किसानों को आश्वस्त किया कि रबी सीजन 2025–26 के लिए प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जोत के अनुपात में खाद उपलब्ध कराई जा रही है और वितरण की पूरी व्यवस्था पारदर्शी तरीके से की जा रही है।मंत्री ने बताया कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवम्बर 2025 तक प्रदेश में कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन खाद का स्टॉक उपलब्ध है, जो गत वर्ष की इसी अवधि में उपलब्ध 24.32 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में 4.35 लाख मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है, जो गत वर्ष की तुलना में 1.94 लाख मीट्रिक टन अधिक है। एनपीके की उपलब्धता 4.80 लाख मीट्रिक टन है, जो गत वर्ष से 2.60 लाख मीट्रिक टन अधिक है। इसके अलावा 12.71 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.03 लाख मीट्रिक टन एसएसपी तथा 1.02 लाख मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध है। सहकारिता समितियों के पास भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है कृ जिनमें 5.27 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.80 लाख मीट्रिक टन डीएपी और 1.13 लाख मीट्रिक टन एनपीके शामिल हैं।कृषि मंत्री ने कहा कि रबी सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी जनपदों में नियंत्रण कक्ष सक्रिय हैं।उन्होंने किसानों से अपील की कि समितियों और बिक्री केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई गई है, इसलिए एक साथ भीड़ न लगाएं। किसान अपनी सुविधानुसार नजदीकी समिति या निजी विक्रेता से खाद प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी किसानों को उनकी जोत के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

राजधानी लखनऊ में शुरू हुआ उत्तर प्रदेश का पहला V5 रिटेल आउटलेट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मेव बाय एम्ब्रोसिया ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से राज्य का पहला V5 रिटेल आउटलेट शुरू किया है। यह आउटलेट गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के पास शहर के प्रीमियम क्षेत्र में स्थापित किया गया है। V5 रिटेल लाइसेंस उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन वाइनरियों को प्रदान किया जाता है जो राज्य में स्वयं वाइन का निर्माण करती हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में निर्मित वाइन के प्रचार, बिक्री और प्रसार को प्रोत्साहित करना है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाली स्थानीय वाइन सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सके।मेव बाय एम्ब्रोसिया के संस्थापक माधवेंद्र देव सिंह ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि "V5 रिटेल केवल एक बिक्री केंद्र नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की वाइन उद्योग के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। इस पहल से प्रदेश में बनी वाइन को सीधा बाजार मिलेगा और स्थानीय उद्योग को नई पहचान प्राप्त होगी।" मेव बाय एम्ब्रोसिया ने देश की पहली शहतूत आधारित नैचुरल वाइन 'मेव मलबरी मोरट मीड वाइन' प्रस्तुत की थी। हाल ही में इस वाइन को 29 अक्टूबर 2025 को गुरुग्राम (दिल्ली–एनसीआर) में आयोजित स्पिरिट्ज मैगजीन की राष्ट्रीय ब्लाइंड टेस्टिंग प्रतियोगिता में सिल्वर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश में निर्मित वाइन की गुणवत्ता और नवाचार क्षमता का प्रमाण मानी जा रही है।नया ट5 आउटलेट एक अनुभव एवं प्रदर्शन केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा, जहाँ उपभोक्ता प्रदेश में निर्मित वाइन और अन्य प्राकृतिक उत्पादों का स्वाद और अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल राज्य सरकार की कृषि–प्रसंस्करण, ग्रामीण उद्यम, रोजगार सृजन और पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों के अनुरूप है।एम्ब्रोसिया वायनरी के तहत स्थानीय फलों जैसे आम, जामुन, आंवला और बेर से फ्रूट वाइन का उत्पादन किया जा रहा है। यह न केवल उत्पादन की एक नई दिशा है बल्कि किसानों को अपने फलों के लिए उचित मूल्य दिलाने का अवसर भी प्रदान करेगी। इस परियोजना से प्रदेश की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और किसानों की आमदनी में सीधा इजाफा होगा।वायनरी पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का उपयोग कर रही है तथा इसके संचालन में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उत्पादन, पैकेजिंग, तकनीकी और विपणन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण दोनों के अवसर प्राप्त होंगे।उत्तर प्रदेश विशेष रूप से आम और जामुन जैसे फलों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन अब तक इनके प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन की दिशा में सीमित कार्य हुआ था। इस वायनरी के माध्यम से अब इन फलों का आधुनिक उपयोग किया जाएगा, जिससे राज्य में फल उत्पादन को नई पहचान मिलेगी।यह परियोजना न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राज्य की समग्र अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा देगी। किसान, श्रमिक, ट्रांसपोर्टर, विपणन एजेंसियां और खुदरा व्यापारीकृसभी इस प्रक्रिया के हिस्सेदार बनेंगे, ।

बीबीएयू के विधि छात्रों ने राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के विधि विभाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विभाग की छात्रा अंजु बाला (चतुर्थ वर्ष), आयुष सिंह (चतुर्थ वर्ष) और अविरल द्विवेदी (द्वितीय वर्ष) की टीम ने इंदौर में आयोजित तृतीय डॉ. के. एल. ठकुराल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।यह प्रतियोगिता ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर के फैकल्टी ऑफ लॉ द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। बीबीएयू की टीम ने अपने तर्क, प्रस्तुतीकरण और कानूनी कौशल के आधार पर

निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।विजेता टीम को 30,000 रुपये की नकद राशि और ट्रॉफी प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आई. एस. श्रीवास्तव ने विजेताओं को सम्मानित किया।इसके अतिरिक्त, बीबीएयू की छात्रा अंजु बाला को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता' का खिताब प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें 5,000 रुपये की नकद राशि दी गई।इस उपलब्धि से बीबीएयू के विधि विभाग में उत्साह का माहौल है। संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों की इस सफलता को मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम बताया है तथा भविष्य में भी इसी तरह विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने की शुभकामनाएँ दी हैं।

भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक झलक बिखेरेगा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग

लखनऊ, (संवाददाता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक आयोजित भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग अपनी प्रभावशाली उपस्थिति से देशभर का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश अपनी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत, लोक–परंपराओं और पर्यटन विविधता को एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ प्रस्तुत कर रहा है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।मंत्री ने बताया कि भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोक–कला, संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। पर्यटन विभाग के स्टॉल पर आगंतुकों को राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों की सचित्र जानकारी दी जा रही है, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश दे रही है।भारत पर्व हर साल आयोजित होने वाला एक वार्षिक आयोजन है, जिसमें देश के सभी राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत, कला और खानपान परंपरा को प्रदर्शित करते हैं। इस वर्ष यह पर्व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में हो रहा है, जहां उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की सरकारों के प्रतिनिधि, लोकप्रिय कलाकार, कारीगर और विशिष्ट अतिथि 15 दिवसीय उत्सव के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे हैं।आगामी दिनों में भारत पर्व के मंच पर उत्तर प्रदेश अपनी अद्भुत सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करेगा। प्रदेश के विभिन्न अंचलों के कलाकार ब्रज की रसधारा, अवध की विरासत, बुंदेलखंड की वीरता और पूर्वांचल की लोकधुनों के रंगों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। पाई डंडा, चरकुला, फरुवाही, थारू, बधावा और ढेढ़िया जैसे पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुतियां 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सजीव रूप देंगी।

लेजर शो में दिखेगा 'कण-कण में काशी' का अद्भुत दृश्य

लखनऊ, (संवाददाता)। देव दीपावली (5 नवम्बर 2025) के अवसर पर काशी एक बार फिर आस्था, प्रकाश और संस्कृति के अनुपम संगम का साक्षी बनेगी। इस दिन वाराणसी के सभी घाटों, कुण्डों और तालाबों पर एक साथ लाखों दीप प्रज्वलित होंगे। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, राज्य सरकार और महोत्सव समिति, वाराणसी द्वारा 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीपों की व्यवस्था की गई है। दीपक, तेल और बाती का वितरण राजघाट से प्रारंभ हो चुका है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।मंत्री ने बताया कि गंगा के दोनों तटों को सम्मिलित करते हुए देव दीपावली कार्यक्रम के लिए कुल 20 सेक्टर बनाए गए हैं और प्रत्येक सेक्टर के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं ताकि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से पूरी हो सकें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शंखनाद और डमरू की गूंज से होगी, जो भगवान शिव की उपस्थिति और काशी की दिव्य ऊर्जा का प्रतीक होगी।देव दीपावली के इस भव्य आयोजन में भगवान शिव–पार्वती विवाह का दृश्य, भगवान विष्णु के चक्र पुष्करिणी कुंड की कथा, भगवान बुद्ध के धर्मोपदेश, संत कबीर और गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति परंपरा तथा महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय की गौरवशाली यात्रा जैसे दृश्य आकर्षक प्रस्तुति के रूप में प्रदर्शित किए जाएंगे। यह प्रस्तुति काशी की आत्मा, उसकी परंपरा और आध्यात्मिकता को एक सूत्र में पिरोते हुए यह संदेश देगी कि "कण–कण में काशी, रस–रस में बनारस" बसता है।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि देव दीपावली की पावन संध्या पर वाराणसी का आकाश रंग–बिरंगी रोशनी और आस्था के प्रकाश से जगमगाएगा। श्रद्धालु और पर्यटक 25 मिनट के भव्य 'काशी कथा' 3–डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का अद्भुत दृश्य देख सकेंगे। इस शो में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत किया जाएगा। संयुक्त निदेशक पर्यटन दिनेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में 8 मिनट का विशेष लेजर शो भी होगा, जो दर्शकों को दिव्यता और आधुनिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव कराएगा। पर्यटकों के लिए 3–डी प्रोजेक्शन मैपिंग शो का निःशुल्क प्रदर्शन तीन बार कृ रात्रि 8:15, 9:00 और 9:35 बजे कृ किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग इसका आनंद ले सकें।इसके अतिरिक्त श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने रात्रि 8रू00 बजे 10 मिनट की "ग्रीन आतिशबाजी" का निःशुल्क आयोजन किया जाएगा, जो पर्यावरण के अनुकूल होते हुए भी आकाश को दिव्य रंगों से भर देगी।यह पूरा आयोजन काशी की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और विश्व स्तर पर उसकी पहचान को नई ऊंचाई देने वाला होगा। देव दीपावली की यह पावन रात एक बार फिर काशी को प्रकाश, श्रद्धा और अध्यात्म की ज्योति में नहलाएगी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय शोध का दिखा परचम - डॉ. अनुज सिंह का शोध आर्टिकल प्रतिष्ठित BMC जर्नल में प्रकाशित

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर, उत्तर प्रदेश दृ भारतीय चिकित्सा शिक्षा जगत के लिए गर्व का क्षण तब आया जब उमा नाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज सिंह का महत्वपूर्ण शोध आर्टिकल अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित ठडब् श्रवनतदंस में प्रकाशित हुआ। यह उपलब्धि न केवल संस्थान, बल्कि पूरे देश के लिए सम्मान का विषय है। डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि यह शोध ा चिकित्सा शिक्षा को और अधिक सरल, प्रभावी व छात्र–केंद्रित बनाने को समर्पित था। उनका उद्देश्य मेडिकल छात्रों और फैकल्टी के लिए सीखने की प्रक्रिया को बेहतर, रोचक और टिकाऊ बनाना था। यह अध्ययन भारत के पाँच प्रतिष्ठित चिकित्सा महाविद्यालयोंकृप्रयागराज, रायपुर, उदयपुर, मुंबई और भोपाल में संचालित किया गया। शोध का उद्देश्य इंटीग्रेटेड वीडियो–आधारित शिक्षण पद्धति और पारंपरिक डायडैक्टिक लेक्चर के बीच

प्रभावशीलता की तुलना करना था। अध्ययन में पाया गया कि इंटीग्रेटेड वीडियो–आधारित शिक्षण पारंपरिक डायडैक्टिक लेक्चर की तुलना में अधि ाक प्रभावी सिद्ध हुआ। यह पद्धति मल्टी–सेंसरी एंगेजमेंट को बढ़ाती है, जिससे छात्रों में सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है तथा कौशल–विकास को भी बढ़ावा मिलता है। इसने जटिल विषयवस्तु को सरल, आकर्षक और याद रखने योग्य तरीके से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सिंह का मानना है कि उनका शोध भविष्य में भारतीय मेडिकल एजुकेशन सिस्टम में डिजिटलीकृत, एकीकृत और छात्र–उन्मुख शिक्षण पद्धतियों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे न केवल छात्रों का सीखने का अनुभव बेहतर होगा, बल्कि फैकल्टी भी अधि ाक प्रभावी, आकर्षक और वैज्ञानिक ढंग से पढ़ा सकेंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि यह शोध मेडिकल एजुकेशन में नई दिशा प्रदान करेगा और भविष्य में मेडिकल पाठ्यक्रम की कठिन अवध ाारणाओं को सरल व अधिक प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की संभावनाएँ खोलेगा। डॉ. सिंह की यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उपलब्धि न केवल सफलता है, बल्कि यह भारतीय चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम भी है। उनका यह शोध आगामी वर्षों में मेडिकल शिक्षण–पद्धतियों में नए मानक स्थापित कर सकता है और देशभर के मेडिकल शिक्षकों तथा नीति–निर्माताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. अनुज सिंह ने संस्थान के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से धन्यवाद दिया प्रध ाानाचार्य महोदयरू प्रो0 आर. बी. कमल

उप– प्रधानाचार्य रू प्रो0 आशीष यादव

डीन, रिसर्च रू प्रो0 रुचिरा सेठी

डीन, एकेडमिक रू तबस्सुम यास्मीन

सी0एम0एस0रू डॉ. ए0ए0 जाफरी

उन्होंने यह भी कहा कि यह शोध सहभागी सभी मेडिकल फैकल्टी सदस्यों तथा अध्ययन में सम्मिलित छात्रों के सहयोग के बिना संभव नहीं था। उन्होंने सभी के समर्थन और सहभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सीएमओ ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

अयोध्या। सीएमओ डॉ सुशील कुमार बानियान ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के तहत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चौरे बाजार एवं कोछा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मऊ शिवाला एवं रानी बाजार का निरीक्षण किया। अक्षर के दौरान उन्होंने चिकित्सालय परिसर को देखा एवं उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सालय की व्यवस्था को ठीक किया जाय साथ ही संबंधित अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल स्टाफ की मेला या अन्य कार्यों में ड्यूटी नहीं लगाया जाये। निरीक्षण में डिप्टी सीएमओ राजेश चौधरी, डीपीएम राम प्रकाश पटेल डीसीपीएम अमित कुमार डी ई आई सी मैनेजर डॉ मो हम्माद एवं मनोज त्रिपाठी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी के तहत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने चलाया जागरूकता अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय जौनपुर उत्तर एवं जौनपुर दक्षिण के द्वारा सयुंक्त रूप से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मंगलवार को आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस वर्ष का विषय है दृ " सतर्कता रूहमारी साझा जिम्मेदारी"। सप्ताह के प्रारंभ में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सतर्कता प्रतिज्ञा (टपहपसंदबम च्समकहम) ली गई। इसके अंतर्गत बैंक द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें वॉकाथॉन (सांजीवद), निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ग्राहक जागरूकता सत्र तथा भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति पर चर्चाएं शामिल थीं। एवं छेत्रिय सतर्कता अधिकारी शम्भू

चरण सिन्हा, बृजेश कुमार श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। कर्मचारियों ने जनसाधारण को ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया। इस अवसर पर नागरिकों को भ्रष्टाचार के प्रति सजग रहने और सतर्कता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर छेत्र प्रमुख संतोष कुमार (जौनपुर उत्तर) शशिकांत प्रसाद (जौनपुर दक्षिण), ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "सतर्कता केवल एक विभागीय कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी और नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।" इस कार्यक्रम में सभी छेत्रीय कार्यालय के कर्मचारी के साथ–साथ उप छेत्र प्रमुख ईश्वर चंद, जटा शंकर राकेश कुमार अजीत कुमार सिंह मुख्य प्रबंधक एवं सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहें।

400 मीटर अधूरी सड़क ने बढ़ाई राहगीरों की मुश्किलें

भदोही, (संवाददाता)। सरकार के गड्ढामुक्ति अभियान की हवा निकल रही है। विभागीय लापरवाही से छूटी 400 मीटर सड़क अब लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। जौनपुर के कसेरवां–जंघई से जुड़ने वाले कीर्तिपुर मार्ग पर बड़े–बड़े गड्ढे और कीचड़ के अंबार से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। चेतावनी दी कि अधूरी सड़क को पूरी न किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। सुरियावां ब्लॉक के पश्चिमी छोर पर कीर्तिपुर से चकजीतराय से होकर केसरवां–जंघई मार्ग तक एक सड़क बनी है। जिला पंचायत की ओर से करीब सात से आठ साल पूर्व बनाई गई चार किमी की इस सड़क का 400 मीटर छोड़ दिया गया है। कच्ची सड़क होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अफसर से लेकर जनप्रतिनिधियों तक का ध्यान उक्त मार्ग पर नहीं जा रहा है। थोड़ी बारिश में भी मार्ग की हालत नारकीय हो जाती है। सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। शिकायत के बाद भी सड़क न बनने से ग्रामीणों में नाराजगी है। गांव के कौशलेश दुबे, रविशंकर, सुनील सिंह, मुकेश सिंह, प्रमोद सिंह, सुरेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, मनोज दुबे, कड़ेदीन दुबे, दिनेश, पंकज कुमार ने अधिकारियों से उक्त सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की है।

तीन करोड़ से होगी छह वार्डों की 1500 मीटर सड़कों की मरम्मत

भदोही, (संवाददाता)। नगर में जर्जर हो चुकीं सड़कों की तीन करोड़ की लागत से मरम्मत कराई जाएगी। नाली निर्माण के दौरान नगर की छह वार्डों की सड़कें बदहाल हो चुकी हैं। 1500 मीटर की इन सड़कों की मरम्मत के लिए तीन करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। शासन की स्वीकृति के बाद मरम्मत कार्य शुरू होगा। नईबाजार नगर पंचायत में कुल 11 वार्ड हैं। इनमें छह वार्डों में सीवरेज योजना के तहत अंडरग्राउंड नाली का निर्माण कराया जा रहा है। 1500 मीटर नाली का निर्माण दो करोड़ की लागत से कराया जा रहा है। नाली निर्माण के चक्कर में पूरे नगर की सड़कों को खोद दिया गया है। इससे नगर में व्यापारियों को परेशानी बढ़ गई है। लोगों के विरोध के कारण दो वार्डों का काम भी रुक गया है। इसे देखते हुए अब नगर पंचायत ने नाली के साथ सड़कों की मरम्मत का प्रस्ताव भी तैयार किया है। नगर में तीन करोड़ की लागत से नाली निर्माण के बाद जर्जर हुईं सड़कों की मरम्मत भी कराई जाएगी। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है, जिसकी स्वीकृति के बाद शेष नाली और सड़क का निर्माण कराया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला लालता सोनकर ने बताया कि नाली निर्माण के दौरान जो सड़कें जर्जर हो रही हैं, उनकी मरम्मत के लिए तीन करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने पर दोनों कार्य पूरा कराए जाएंगे।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का जल कलश यात्रा से हुआ शुभारंभ

अयोध्या। विकास खंड तारुन मे ग्राम तिवारीपुर,पछियाना में एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी जी के यहाँ श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन 2 नवंबर से किया जा रहा है।इस मौके पर सबसे पहले भव्य दिव्य जल कलश यात्रा निकाली गई।3 नवम्बर को विधि विधान पूर्वक वेदी पूजन के साथ प्रथम दिन श्रीमद्भागवत कथा महात्म्य का विस्तृत व्याख्यान कथा वक्ता आचार्य रविकांत शास्त्री ने किया।कथा में आचार्य रविकांत शास्त्री ने उपस्थित श्रोताओ से कहा कि ज्ञान से बड़ा कोई धन नहीं है।बताया कि सज्जन और साधु में अन्तर होता है।सज्जन हर परिस्थिति और परिवेश में सज्जन ही होते हैं,इनकी कोई विशेष वेशभूषा नहीं होता।इस मौके पर चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में क्षेत्र के भारी संख्या मे संभ्रांत व्यक्तियों ने कथा श्रवण का आनन्द लिया। इस संबंध मे डा अंबिकेश त्रिपाठी की माता व मुख्य यजमान विमलेश त्रिपाठी ने बताया कि चल रहे श्रीमद्भागवत महापुराण कथा 09 नवम्बर तक आयोजित होगी।10 नवम्बर को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।प्रथम दिवस की कथा में डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी जी की माता जी मुख्य यजमान विमलेश त्रिपाठी, करुणेश त्रिपाठी, ऋचा त्रिपाठी के अलावा देवतादीन तिवारी, पारसनाथ त्रिपाठी, शोभनाथ त्रिपाठी, रवि शंकर त्रिपाठी, राम बरन द्विवेदी, राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, रमापति मिश्र सहित क्षेत्र के अनेक श्रोता उपस्थित रहे।

महान समाज सुधारक, सच्चे आध्यात्मिक गुरु और मानवता के उपासक थे भारत के महान संत गुरुनानक देव : अम्बरीष कुमार सक्सेना

हरदोई।शिव सत्संग मण्डल के राष्ट्रीय समन्वयक अम्बरीष कुमार सक्सेना के अनुसार भारत की महान संत परंपरा में गुरु नानक देव जी का नाम अत्यंत आदर और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। वे सिख धर्म के संस्थापक, महान समाज सुधारक, सच्चे आध्यात्मिक गुरु और मानवता के उपासक थे। उनका जन्म कार्तिक पूर्णिमा पर संवत् 1526 में तलवंडी नामक स्थान पर हुआ था, जिसे आज ननकाना साहिब (पाकिस्तान) के नाम से जाना जाता है। हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन उनकी जयंती पूरे विश्व में गुरु नानक जयंती या गुरुपर्व एवं प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। गुरु नानक देव जी ने बचपन से ही असाधारण ज्ञान और करुणा का परिचय दिया। उन्होंने मानव समाज में फैली ऊँच–नीच, जाति–पाति, अंधविश्वास और भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सिखाया कि ईश्वर एक है और वह हर हृदय में बसता है। उनका संदेश था "एक ओंकार सतनाम", अर्थात् ईश्वर एक ही है और उसका नाम सत्य है। गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन में अनेक देशों की यात्राएँ कीं, जिन्हें उदासियाँ कहा जाता है। इन यात्राओं के माध्यम से उन्होंने प्रेम, शांति, सत्य, करुणा और समानता का संदेश फैलाया। उन्होंने लोगों को मेहनत, ईमानदारी और सच्चाई से जीवन जीने की प्रेरणा दी।उन्होंने अपना पूरा जीवन सत्य, प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश फैलाने में समर्पित किया।गुरु नानक देव जी ने समाज में फैले भेदभाव, अंधविश्वास, छुआछूत और जात–पात की संकीर्णता का विरोध किया। उनका उपदेश थारूनाम जपो (ईश्वर का स्मरण करो)किरत करो (ईमानदारी से काम करो)वंड छको (अपने कमाई का हिस्सा दूसरों के साथ बाँटो) गुरु नानक देव जी की वाणी में गहन आध्यात्मिकता और मानवता का भाव है।

संक्षिप्त खबरें

कोतवाली अयोध्या पुलिस ने चोरी के लाइसेंसी बंदूक बरामद कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या। मंगलवार को कोतवाली अयोध्या पुलिस ने चोरी गये लाईसेंसी बंदूक व कारतूस बरामद कर चोरी में शामिल ई रिक्शा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि पिछले माह 20 अक्टूबर को वादी ने सूचना दिया कि वह एलाइन्स सिक्पो मे गनमैन के पद पर बांसी तहसील जनपद सिद्धार्थनगर में कार्यरत है और दीपावली की छुट्टी में घर आये थे।उस समय घर में पत्नी से कुछ विवाद होने के कारण वह अपनी गन व कारतूस, बैग में कपडा, गन लाईसेंस व कुछ सामान लेकर बासी सिद्धार्थनगर जाने के लिए अकबरपुर अम्बेडकर नगर से बस पकडे और देवकाली बाईपास पहुंचने पर रात समय करीब 09.00 बजे बस्ती जाने के लिए एक ई रिक्शा पर बैठ गये और आरोपियों ने ई रिक्शा चालक व उसके सहयोगी द्वारा उसका लाइसेंसी बंदूक व कारतूस लूट ले गए।बताया कि 'गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. जैद पुत्र मो. जाबिद निवासी स्.प्.ब् आफिस के सामने बेनीगंज थाना कोतवाली नगर,संतोष कुमार तिवारी पुत्र स्व. ओम प्रकाश तिवारी निवासी तुलसी दास घाट थाना कोतवाली अयोध्या के रुप मे हुई। इन आरोपियों को गिरफ्तार करने में चौकी प्रभारी रानोपाली बृजभूषण पाठक,उप निरीक्षक, सुनील कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

भागवत कथा सुनने से जन्म–जन्मांतर के पाप हो जाते हैं नष्ट – प्रज्ञा जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।श्रीमद् भागवत कथा सुनने से जन्म–जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं, वैसे ही जैसे आग सब कुछ जलकर राख कर देती है। भागवत कथा श्रवण से बढ़कर इस संसार में कोई ज्ञान, मोक्ष का सरल साधन नहीं है। उक्त बाते सोमवार रात मुंगराबादशाहपुर के स्टेशन रोड में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन वृंदावन से पधारी कथा व्यास सुश्री प्रज्ञा जी ने कहा कि न भागवत की नियती ब्रह्म होना है, यह देव दुर्लभ है किंतु मनुष्यों को सुलभ होकर ज्ञान गंगा के रूप में प्रवाहित हो रही है। हर मनुष्य को समाज में अच्छा काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म ही प्रधान है, बिना कर्म के कुछ भी संभव नहीं है। जो मनुष्य अच्छा कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है, बुरे कर्म करने वाले को बुरा फल मिलता है। इसलिए सबको अच्छा कर्म ही करना चाहिए।भागवत को सुनने से पाप नष्ट होता है। भागवत कथा एक ऐसा अमृत है कि इसका जितना भी रसपान किया जाए तब भी तृप्ति नहीं होती। कहा कि भक्ति के दो पुत्र हैं, एक ज्ञान दूसरा वैराग्य भक्ति बड़ी दुखी थी। उसके दोनों पुत्र वृद्धावस्था में आकर भी सोए पड़े हैं।

महिला थाना व कैंट मिशन शक्तिमहिला पुलिस ने छात्राओं व महिलाओं को किया जागरूक

अयोध्या। मंगलवार को महिला थाना व कैंट थाना मिशन शक्ति फेज –5 महिला पुलिस ने छात्राओं व महिलाओं को उनके सुरक्षा के प्रति तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया।महिला थानाध यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने गुरु नानक इण्टर कॉलेज जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध ा के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, महिला उप निरीक्षक प्रिया,महिला आरक्षी जयश्री व अंशिका मौजूद रही।जबकि कैंट थाना महिला पुलिस टीम ने कई जगहों पर मिशन शक्ति फेस 5. 0 अभियान के तहत महिलाओ, छात्राओं व बालिकाओं व सुरक्षा संबंधी व साथ–साथ महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर महिला टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने महिलाओ, छात्राओं व बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और हेल्पलाइन के बारे में पोस्टर, बैनर के माध्यम से जागरूक किया। वही महिला संबंधि ात सहायता हेतु वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, आपातकालीन सेवा 112, ऑपरेशन कवच महिला हेल्पलाइन नंबर 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर

1076, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया। इस मौके पर टीम मे शामिल पुलिस कर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर एंटी रोमियो चेकिंग अभियान चलाया। वही टीम द्वारा इंग्लिश मीडियम प्राइवेट स्कूल कोटसराय मसौधा में भी उपरोक्त विषय में प्रचार प्रसार किया।थाना कैंट के प्रभारी पंकज सिंह द्वारा गठित टीम में उपनिरीक्षक प्रियंका मिश्रा महिला कांस्टेबल नेहा सिंह व होमगार्ड संजू मौजूद रही।

स्वावलम्बन कार्यक्रम के सातवें चरण का शुभारम्भ

हरदोई/शाहजहांपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना) रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड एवं विनोबा सेवा आश्रम के संयुक्त प्रयास से आरम्भ किये गये स्वावलम्बन कार्यक्रम के छः बैचों की सफलता के बाद सातवें बैच का शुभारम्भ ग्राम दिलावरपुर देवकली में स्थित स्वावलंबन केन्द्र में किया गया। पूर्व की भांति इस बार भी परियोजना प्रभावित गांव से 30 लाभार्थियों का चयन स्क्रीन प्रिटिंग, गैस चूल्हा एंव प्रेशर कूकर मरम्मत, आटाचक्की एंव चुटीला के प्रशिक्षण के लिए किया गया ताकि वे प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार को अपना कर आय अर्जित कर सकें। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भइया ने कहा कि स्वावलम्बन केन्द्र के उददेश्य को मूर्त रूप देने के लिए गांधी विनोबा के आदर्श एवं सिद्वान्तों को अपनाकर गांव–गांव में कुशल उद्यमी बनाकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके लिए युवा साथियों को भी परिश्रम करने के साथ साथ इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत है। देश में बहुत सारे कौशल प्रशिक्षण चलते हैं लेकिन वहां निर्धारित ट्रेडें होती और स्वावलंबन केन्द्र आपकी इच्छा के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है। आपको प्रशिक्षण के बाद अपना काम शुरू करना है नौकरी के भरोसे नही रहना। नौकरी देने वाला बनना है। और स्वालंबन केन्द्र ने मात्र 211 लोगों को रोजगार से ही नही जोड़ा बल्कि 211 परिवारों को रोजगार से जोड़ा है। रोजा पावर के सीएसआर प्रमुख कुमार अवनीश ने सातवें चरण का शुभारम्भ फीता काटकर किया। और कहा कि चुटीला प्रशिक्षण और स्क्रीन प्रिटिंग, गैस चूल्हा एंव प्रेशर कूकर मरम्मत, आटाचक्की प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित होकर बहुत प्रसन्न हूं। यह कार्यक्रम न केवल युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके लिए आय के नए स्रोत भी उपलब्ध कराने में मददगार होगा। महनत उद्यमी को करनी है हम तो केवल रास्ता ही दिखा सकते हैं। चुटीला प्रशिक्षण के लिए फीलनगर से प्रशिक्षक आयेगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को

शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि प्रशिक्षु इस प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ उठाएंगे। विनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार कहा कि स्वाबलम्बन केन्द्र के उददेश्य को मूर्त रूप देने के लिए गांव–गांव में कुशल उद्यमी बनाकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके लिए इन महिलाओं एवं युवा साथियों को भी परिश्रम करने के साथ साथ इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत है। प्रत्येक परिवार में गैस चूल्हा है तो उसकी मरम्मत के लिए प्रत्येक गांव में एक गैस चूल्हा मरम्मत करने वाला स्वावलंबन से तैयार होगा, ऐसी मेरी आशा है। चुटीला प्रशिक्षण महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी है। हेल्प कार्यक्रम के प्रबन्धक अंकित मिश्रा ने कहा कि परियोजना प्रभावित गांव के लोग अच्छे उद्यमी बनकर आत्मनिर्भर बने तथा न केवल अपने सपनों को पूरा करें बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करायें। इस कार्य में हेल्प का पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया जायेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।